

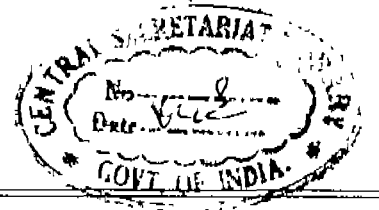


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 191]
No. 191]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 25, 1996/कार्तिक 3, 1918
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 25, 1996/KARTIKA 3, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1996

सं. 15/5/95-एडीडी

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय: संयुक्त राज्य अमेरिका मूल के अथवा यहाँ से होने वाले बिस्केनोल-ए के आयात के बारे में पाटनरोधी जाँच—प्रारम्भिक निष्कर्ष ।

सं. 15/5/96.—भारत सरकार ने 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, निर्धारण और वसूली तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए,

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित क्रिया-विधि का अनुसरण किया है :

- (i) पदनामित प्राधिकारी ने (जिसे आगे प्राधिकारी कहा जाएगा), उपरोक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से एक लिखित याचिका मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि., मुंबई से प्राप्त की जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि रूस और ब्राजील मूल के बिस्केनोल-ए की डंपिंग की गई है;
- (ii) रूस और ब्राजील के खिलाफ बिस्केनोल-ए की डंपिंग के आरोप की जाँच के दौरान प्राधिकारी ने पाया कि यू एस ए से भी बिस्केनोल-ए का निर्यात प्रथम दृष्टया यू एस ए की घरेलू कीमत से कम कीमत पर किया गया प्रतीत होता है जिससे इस मामले में और आगे जाँच करने की जरूरत है;
- (iii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार

जाँच शुरू करने से पहले यू एस ए दूतावास को सूचित किया;

- (iv) नामित प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के शीर्ष 2907.23 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेहित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के शीर्ष 2907.23.00 के अर्धीन आने वाले यू एस ए मूल के बिस्केनोल-ए के आयात के बारे में स्वतः पाटनरोधी कार्रवाई शुरू किए जाने हेतु भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 20 नवम्बर, 1995 में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की;
- (v) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग संगठनों और मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि., मुंबई को उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति प्रेषित करते हुए उन्हें इस बात के लिए मौका दिया कि वे लिखित रूप में अपने-अपने विचारों से अवगत कराएं और सुनवाई के लिए अनुरोध करें;
- (vi) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6 के उप-नियम (3) के अनुसार याचिका की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और यू एस ए दूतावास को भेजी ।
- (vii) नई दिल्ली स्थित यू एस ए दूतावास को भी जाँच शुरू करने के बारे में सूचित करते हुए उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजें;
- (viii) प्राधिकारी ने यू एस ए के ज्ञात निर्यातक मैसर्स मित्सुई एंड कं. (यू एस ए) इन्क को संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी;
- (ix) घरेलू उद्योग मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि., मुम्बई से भी

अनुरोध किया गया कि वह भी जाँच के लिए संगत समझी जाने वाली सूचना भेजे;

- (x) प्रश्नावली भारत के बिस्फेनोल-ए के निम्नलिखित आयातकों को भेजी गई:

मैसर्स

- (क) डा. ई ई सी के एण्ड कं. लि., पुणे
(ख) पारिख रेजिन्स एण्ड पोलिमर, कानपुर
(ग) उत्तमलाल एण्ड कं., मुम्बई
(घ) चिमनलाल मंगनलाल एण्ड कं., मुम्बई
(ङ) बेटा इंटरनेशनल, मुम्बई
(च) भारत जनरल टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज, कलकत्ता
(छ) सिबातुल लि., गुजरात
(ज) पारिख कैमिकल इंडस्ट्रीज, कानपुर
(झ) बंगाल पोली रेजिन्स प्रा. लि., कलकत्ता
(ण) स्पेशलिटी कैमिकल्स, मुम्बई
(ट) डेल्टा इंडस्ट्रीज रेजिन्स प्रा. लि., मुम्बई
(ठ) प्रगति कैमिकल लि., मुम्बई
(ड) एम. जे. एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., मुम्बई

- (xi) डी जी सी आई एण्ड एस, कलकत्ता से भी अनुरोध किया गया कि वह अप्रैल, 1993 से मार्च, 1995 तक भारत में हुए बिस्फेनोल-ए के सभी आयातों के बारे में ब्यौरा भेजे;

- (xii) व्यापार संगठनों-एसोचैम, सी आई आई और फिक्की को भी इस जाँच की कार्रवाई की सूचना दी गई;

- (xiii) प्राधिकारी ने किसी इच्छुक पार्टी को निरीक्षण करने के लिए एक सरकारी फाइल उपलब्ध कराई;

- (xiv) यू एस ए में भारतीय दूतावास से अनुरोध किया गया कि वह यू एस ए में बिस्फेनोल-ए के उत्पादकों/निर्यातकों के नाम व पते, यू एस ए में घरेलू बाजार में बिस्फेनोल-ए की कीमतों और यू एस ए में बिस्फेनोल-ए के निर्यात को देखने वाले यू एस सरकार के विभाग का पता भेजे। यू एस में भारतीय दूतावास ने इस प्रकार की सूचनाएं और एक उत्पादक/निर्यातक के वितरण मूल्य भेजे। तथापि, यह मूल्य सूची 6-1-1995 से प्रभावी थी (अर्थात् जाँच के बाद की अवधि);

- (xv) दिल्ली स्थित यू एस ए दूतावास का दिनांक 14-12-1995 के पत्र द्वारा निम्न सूचना देने के लिए अनुरोध किया गया :—

- (क) यू एस में बिस्फेनोल-ए निर्यातकों के नाम व उनके पते;
(ख) यू एस ए के उन संबंधित सरकारी विभागों के नाम व पते जो यू एस ए में सामान के निर्यात का कार्य देखते हैं।

परन्तु दूतावास से इस बारे में कोई उत्तर नहीं मिला;

- (xvi) यू एस ए में भारतीय दूतावास के दिनांक 12-1-1996 के पत्र द्वारा प्राप्त निर्यातकों/उत्पादकों के नाम व पते दिल्ली स्थित यू एस ए दूतावास को इस अनुरोध के साथ भेजे गए

कि वे इन उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किए गए बिस्फेनोल-ए के निर्यात के बारे में विस्तृत सूचना भेजे;

- (xvii) नई दिल्ली स्थित यू एस ए दूतावास ने प्राधिकारी को दिनांक 16-1-96 के पत्र द्वारा सूचित किया कि इस बारे में अमरीकी निजी फर्मों के साथ व्यवहार करके उनसे सहयोग लिया जा सकता है;

- (xviii) नई दिल्ली स्थित अमरीकी दूतावास ने अपने दिनांक 23-1-96 के पत्र द्वारा और समय बढ़ाने की मांग करते हुए अमरीकी वाणिज्य विभाग का एक पत्र संलग्न किया। प्राधिकारी ने उनकी मांग मानते हुए अंतिम तिथि 15-2-96 तक बढ़ा दी;

- (xix) किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया। केवल एक आयातक अर्थात् मैसर्स सिबातुल लि. ने निर्धारित प्रपत्र में व निर्धारित ढंग से प्रश्नावली का उत्तर दिया;

- (xx) आयातकों, निर्यातकों, घरेलू उद्योग और यू एस ए दूतावास को अपने हित की रक्षा करने का और मौका देने की दृष्टि से 12 मार्च, 1996 को प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक सुनवाई की। इस सुनवाई में निम्नलिखित फर्मों ने भाग लिया :

मैसर्स :

- (क) केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि., मुम्बई,
(ख) सिबातुल लि., चलसाड,
(ग) प्रगति कैमिकल्स लि., मुम्बई,
(घ) डेल्टा इंडस्ट्रीज रेजिन्स प्रा. लि., मुम्बई,
(ङ) सिप इंडस्ट्रीज लि., मुम्बई,

- (xxi) उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों को सलाह दी गई कि वे सार्वजनिक सुनवाई के दौरान किए गए निवेदन को लिखित रूप में प्रस्तुत करें ताकि जांच संबंधी सार्वजनिक सुनवाई की अन्य पार्टियों से प्रति-टिप्पणियाँ प्राप्त की जा सकें और पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित निवेदन, अन्य पक्ष (पक्षों) को, उनकी प्रति-टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराए गए;

- (xxii) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गई जानकारी माँगी और उसका सत्यापन किया। इस दिशा में घरेलू उद्योग के मुख्यालय के अहाते में और निर्माण स्थल में जांच की गई;

- (xxiii) प्राधिकारी ने लागत जांच की तथा सामान्य रूप में स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों तथा उपरोक्त नियमावली के नियम 6(8) के आधार पर भारत में बिस्फेनोल-ए को बनाने तथा इसे बेचने के लिए लागत तथा इसकी अधिकतम उत्पादन लागत निकाली जिससे कि यह पता लगाया जा सके कि क्या क्षति को दूर करने के लिए डंपिंग मार्जिन से कम प्रति पाटन शुल्क लगाना पर्याप्त होगा;

- (xxiv) इस जांच में 1 अप्रैल, 1994 से 30 सितम्बर, 1994 तक की अवधि शामिल है।

ख. घरेलू उद्योग के विचार

3. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रमुख विचार व्यक्त किए :

- (क) यह जाँच 1-1-1995 से प्रभावी प्रावधानों द्वारा शासित होगी;
- (ख) पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण एक बार जापान से आयात कम हो गया, इसलिए रूस, ब्राजील और यू.एस.ए. जैसे देशों ने भारत को डम्पड कीमतों पर बिस्केनोल-ए का निर्यात करना शुरू कर दिया;
- (ग) प्राधिकारी रिकार्ड किए गए पहले आंकड़ों और ब्राजील तथा रूस के बारे में की गई जाँचों से प्राप्त निष्कर्षों पर विश्वास कर सकता है;
- (घ) चूंकि सामान्य कीमत के मामले पर निर्यातक की कोई प्रतिक्रिया नहीं रही, इसलिए प्रारम्भिक अधिसूचना में प्रकाशित तथ्यों को पाटनरोधी शुल्क के निर्धारण के लिए अपनाया जा सकता है;
- (ङ.) यू.एस.ए. से लगातार निर्यात में वृद्धि होती रही है और इसका निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों रूपों में महत्व है;
- (च) घरेलू उद्योग के लिए औसत बिक्री वसूली बहुत कम थी और यह अलाभकारी थी परिणामस्वरूप काफी नुकसान हुआ;
- (छ) यू.एस.ए. से हुए आयात की उतराई लागत की तुलना में उचित बिक्री कीमत से अधिक राशि जो 31362 रु. प्रति मी. टन बनती है जिसे पाटनरोधी शुल्क के रूप में लगाया जा सकता है ताकि घरेलू उद्योग उचित लाभ कमा सके।

ग. निर्यातक/उत्पादकों के विचार

4. किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित तरीके तथा प्रपत्र में अधिकारी को प्रत्यक्ष रूप से उत्तर नहीं दिया है। एक निर्यातक मैसर्स मितसुई एण्ड कं. (यू.एस.ए.), इंक, ने 12 मार्च, 1996 के लिए नियत सुनवाई में उपस्थित होने को ठुकराते हुए सूचित किया था कि उन्होंने 1992 तथा 1994 में ऑफ-स्पैक उत्पाद के केवल दो महत्वपूर्ण लदान किए थे और उन्होंने जाँच के लिए संसाधनों को लगाना उचित नहीं समझा। मैसर्स आशलींड कैमिकल कंपनी ने उत्तर दिया था कि उन्होंने जाँच की अवधि के दौरान भारत को बिस्केनोल-ए उत्पाद की कोई बिक्री नहीं की। कुछेक आयातकों ने मैसर्स फर्स्ट इंटरकांटीनेटल कारपोरेशन, यू.एस.ए. से पत्र की एक प्रति संलग्न की थी जो कि भारत को बिस्केनोल-ए का निर्यात कर रहे थे। निर्यातक ने बताया कि वे बिस्केनोल-ए का प्रत्यक्ष अथवा प्राधिकारी एजेंट के माध्यम से यू.एस.ए. में प्रचलित निर्यात कीमत, जो मानक गुणवत्ता सामग्री के लिए संविदा की गई मात्रा पर निर्भर है, से कम कीमत पर निर्यात नहीं करेंगे।

घ. आयातकों के विचार

5. सार्वजनिक सुनवाई में आयातकों द्वारा व्यक्त तथा उद्धृत किए गए विचार निम्नानुसार हैं:

- (क) चूंकि प्रारंभिक अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया था कि ब्राजील तथा रूस से आयातों के साथ यू.एस.ए. से बिस्केनोल-ए के आयात भारतीय घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं तथा रूस और ब्राजील से आयातों के संबंध में प्रति-पाटन शुल्क पहले ही लगाया जा चुका है इसलिए यह नहीं कहा जा सकता

कि रूस तथा ब्राजील से आयात होने के कारण अब भी कोई क्षति पहुँच रही है। इन परिस्थितियों के तहत यह नहीं कहा जा सकता कि यू.एस.ए. से आयात के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति हो रही है।

- (ख) जाँच की अवधि के दौरान यू.एस.ए. से आयात केवल 300 मी. टन के ही हुए थे।
- (ग) जम्बो बैग पैकिंग्स में ऑफस्पैक सामग्री का काफी अधिक मात्रा में आयात होने के कारण जाँच की अवधि के दौरान यू.एस.ए. से बिस्केनोल-ए की आयात कीमत कम थी। इसके साथ एक एजेंसी के पत्र को संलग्न करते हुए यह बताया गया था कि 1994 के दौरान डमके प्रिंसीपल ने 650 यू.एस.डी. प्रति मी. टन घटिया किस्म के बिस्केनोल-ए की आपूर्ति की थी तथा उस समय सामान्य गुणवत्ता वाली बिस्केनोल-ए की मानक कीमत मानक पैकिंग में बम्बई में 900 से 980 अमरीकी डालर प्रति मी. टन सी आई एफ के बीच बनी रही। आयातक का विचार था कि 25 कि. ग्रा. के पैकों की सामान्य पैकिंग की तुलना में 1000 कि. ग्रा. की पैकिंग में घटिया किस्म की सामग्री की आयात कीमत के साथ सामान्य कीमत की तुलना करना वांछनीय नहीं होगा।
- (घ) अप्रैल 1993 से मार्च 1995 की अवधि के दौरान आयातों की कीमत बम्बई में 770 से 1067 अमरीकी डालर प्रति मी. टन सी आई एफ तथा जाँच की अवधि के दौरान 770 यू.एस.डी. प्रति मी. टन थी।
- (ङ) गुणवत्ता में अंतर, आयात की मात्रा और 417 यू.एस.डी. प्रति मी. टन तक बढ़ी मात्रा में पैकिंग के कारण कीमत समायोजन सामग्री की अन्य आयातक द्वारा जुलाई, 1993 के दौरान सर्वाधिक आयात कीमत का अंतर तथा जाँच की अवधि के दौरान किए गए ऑफस्पैक ग्रेड आयातों की वास्तविक कीमत पर होगा।
- (च) 105 यू.एस.डी. से 110 यू.एस.डी. प्रति मी. टन की राशि को अपने व्यावहारिक अनुभव के अनुसार यू.एस.ए. में पोतपर्यंत निःशुल्क कीमत निकालने के लिए भाड़ा, बीमा तथा अन्य प्रभारों की ओर समायोजन के रूप में माना जाता है।
- (छ) प्रारंभिक अधिसूचना में उल्लिखित सामान्य मूल्य अप्रैल 1994 से मई 1994 की अवधि के लिए था। इस तथ्य के अलावा कि यह कीमत केवल एक अवधि के लिए थी, यू.एस.ए. में बिस्केनोल-ए की कीमत किसी भी समय 3600 यू.एस.डी. प्रति मी. टन से अधिक नहीं हो सकती है।
- (ज) मैसर्स केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि. ने प्राधिकारी को पत्र लिखकर यह बताया कि अप्रैल 1993 से अप्रैल 1994 के दौरान स्थानीय ग्रहकों के लिए उनकी कीमतें 1875 यू.एस.डी. प्रति मी. टन थी। यू.एस.ए. में बिस्केनोल-ए का सामान्य मूल्य अधिक से अधिक 3600 यू.एस.डी. प्रति मी. टन रहे होते तो घरेलू उद्योग यू.एस.ए. को निर्यात करके बहुत

अच्छे लाभ अर्जित कर सकता था।

- (इ) कैमिकल मार्किट रिपोर्टर में उल्लिखित कीमत एक कि. ग्रा. अथवा आधा कि. ग्रा. की फुटकर कीमत थी। एक आयातक ने इस अवधि के दौरान एक ही बार 300 मी.टन आयात किया।
- (ज) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हो रहा है तथा घरेलू उद्योग शीघ्र अपनी क्षमता में 10,000 से 12,000 मी. टन तक वृद्धि कर रहा है।

क. प्राधिकारी द्वारा जाँच तथा निष्कर्ष

6. निर्यातकों, आयातकों, घरेलू उद्योग तथा अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जाँच की गई तथा इन निष्कर्षों पर पहुँचने के लिए, जहाँ कहीं भी इन्हें उपयुक्त पाया गया इन पर विचार किया गया।
7. प्राधिकारी ने निर्यातकों से निर्धारित प्रपत्र तथा तरीके से कोई प्रत्यक्ष उत्तर नहीं मिलने पर नियम 6(8) सुपरा के अनुसार उनको उपलब्ध तथ्य के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाने की पुष्टि की।
8. नए निर्यातकों या कीमत संबंधी वचनबद्धता देने के इच्छुक निर्यातकों के मामलों पर प्राधिकारी द्वारा नियम सुपरा के अनुसार अनुरोध किए जाने पर विचार किया जाएगा।

ख. समान वस्तुएँ

9. विचाराधीन उत्पाद बिस्फेनोल-ए है। बिस्फेनोल-ए एक कार्बनिक रसायन है और यह फिनोल तथा एसीटोन में से बनाया जाता है। इसके दो ग्रेड हैं—एपोक्सी ग्रेड तथा पोलिकारबोनेट ग्रेड। तथापि यह नोट किया जाता है कि रसायनिक नाम, आणविक फारमूला तथा अन्य गुण जैसे—अणु भार, व्यवहार, गलनांक, विशिष्ट भार, विशिष्ट उष्मा आदि दोनों ग्रेडों के लिए एक मान हैं। दोनों ग्रेडों के लिए प्रमुख प्रयोग भी एक समान है केवल इसको छोड़कर कि पोलिकारबोनेट ग्रेड पोलिकारबोनेट रेजिनस के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। उपर्युक्त को देखते हुए तथा समान उत्पाद के संबंध में विभिन्न पहलुओं की जाँच करने के बाद यह समझा जाता है कि ये दोनों ग्रेड इन जाँचों के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं तथा भारत में उत्पादित तथा यू. एस. ए. से आयातित बिस्फेनोल "ए" नियमों के अर्थ के तहत समान वस्तुएँ हैं।
10. बिस्फेनोल-ए सीमाशुल्क टैरिफ कोड सं. 2907.23.00 के अंतर्गत वर्गीकृत है तथा खुले आम लाइसेंस के अंतर्गत आता है। तथापि, इस वर्गीकरण का उल्लेख सुविधा के लिए किया जाता है और मौजूदा जाँच पर इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

छ. घरेलू उद्योग

11. भारत में बिस्फेनोल-ए का उत्पादन (क) मै. केसर पेट्रोप्रोडक्ट्स लि., 7, नागिन महल, द्वितीय तल, वीर नरीमन रोड, चर्च गेट, मुम्बई-110020 और (ख) मै. सिबातुल लि., पी. ओ. अतुल-396020, जिला धारसड, गुजरात द्वारा किया जाता है। तथापि, यह उल्लेखनीय है कि मैसर्स सिबातुल उत्पाद का आयातक है और इसलिए इसे पाटनरोधी नियम सुपरा के अंतर्गत घरेलू उद्योग के संघटक के रूप में नहीं माना जा सकता। अतः यह माना जाता है कि मैसर्स पेट्रोप्रोडक्ट्स लि. घरेलू उद्योग का घटक है तथा इन निष्कर्षों में इसका उल्लेख घरेलू उद्योग के रूप में किया गया है।

ज. सामान्य मूल्य

12. संयुक्त राज्य अमरीका में बिस्फेनोल-ए के सामान्य मूल्य पर एक मैगेजीन नामतः कैमिकल मार्किटिंग रिपोर्टर में प्रकाशित कीमतों के आधार पर, जाँच शुरू करते समय विचार किया गया था। घरेलू उद्योग ने पहले जाँच की अवधि के दौरान रूस तथा ब्राजील के संबंध में 28-12-1992 से 30-5-1994 तक कैमिकल मार्किटिंग रिपोर्टर के संबंधित पृष्ठों की फोटोकॉपियां उपलब्ध करायी थीं तथा सामान्य मूल्य पर अप्रैल 1994 से मई 1994 के बीच प्रकाशित कीमतों के आधार पर विचार किया गया था तथा जाँच प्रारंभिक अधिसूचना में अधिसूचित किया गया था।

13. घरेलू उद्योग के परिसरों में मौके पर जाँच के दौरान 11-7-94 से 11-12-95 तक की अपेक्षित सूचना भी एकत्र की गई थी। यह पाया गया कि 1994 के दौरान मैगेजीन द्वारा बतायी गई घरेलू कीमतें मार्च 1994 तक की अल्पावधि को छोड़कर लगभग उसी स्तर पर बनी रहीं जबकि उत्पाद की कीमतों में 80% की वृद्धि बतायी गई है।

14. संयुक्त राज्य अमरीका से किसी भी निर्यातक ने, उनको पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद उत्पाद के सामान्य मूल्य के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की जबकि उनमें से कुछ निर्यातक इस जाँच के बारे में जानते थे।

15. यू. एस. ए. में एक उत्पादक के लिए वितरक के मूल्य-निर्धारण के आधार पर यू.एस.ए. के घरेलू बाजार में संयुक्त राज्य अमरीका स्थित भारतीय दूतावास ने बिस्फेनोल-ए की कीमतें प्रस्तुत की। यद्यपि यह पाया गया था कि कीमत सूची 6-1-95 अर्थात् जाँच अवधि के बाद से लागू है, तब भी इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि मार्च, 1994 से अल्प अवधि के लिए मैगेजीन में दर्शाई गई कीमतों में वृद्धि तर्कसंगत नहीं है।

16. कुछेक आयातकों ने तर्क किया कि कैमिकल मार्किट रिपोर्टर में उल्लिखित कीमतें एक अथवा आधा कि.ग्रा. की अल्प मात्राओं की फुटकर कीमत थी। तथापि कोई भी आयातक, उनको पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद, अपने दावों को सिद्ध नहीं कर सका। इसी प्रकार, यू.एस.ए. से किसी भी निर्यातक ने न तो यू.एस.ए. में उत्पाद के सामान्य मूल्य संबंधी कोई जानकारी दी और न ही किसी ने जाँच प्रारंभ अधिसूचना में बताई गई कारखानागत सामान्य मूल्य निकालने के लिए किसी समायोजन का दावा ही किया।

17. प्राधिकारी ने इन सभी तथ्यों पर विचार किया तथा पाया कि इन प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजन के लिए रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार करना उपयुक्त होगा। तदनुसार, कारखानागत सामान्य मूल्य, सामान्य घरेलू कीमतों के आधार पर निकाला गया है, जिसमें जाँच की अवधि के दौरान मैगेजीन में प्रकाशित असामान्य परिवर्तनों को मजर-अंदाज किया गया है।

झ. निर्यात मूल्य

18. इस तथ्य के बावजूद कि निर्यातकों में से एक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को ऑफस्पेक पदार्थ निर्यात करना स्वीकार किया, किसी भी निर्यातक ने न तो निर्यात मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध कराई और न ही अधिकारी के साथ सहयोग किया। निर्यातकों में से एक ने उत्पाद के आयात का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, लेकिन इसे पूर्ण नहीं कहा जा सकता। इस प्रकार, निर्यात मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार किया

जाना है।

19. वह आयातक जिसने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार आयातों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है, उसने सकल ज्ञात आयातों के 95% से ज्यादा का आयात अप्रैल, 1993 से सितम्बर, 1994 के दौरान किया। (इसके बाद इस आयातक को प्रमुख आयातक के रूप में संदर्भित किया जा रहा है)। अन्य किसी भी आयातक ने अपने द्वारा किए गए आयातों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत नहीं किया है। यह मानते हुए कि प्रमुख आयातक द्वारा किए गए आयात से वह कीमत परिलक्षित होती है जिस पर बिस्फेनोल-ए का भारत में निर्यात किया गया, प्राधिकारी ने प्रमुख आयातक की जाँच अवधि के दौरान, उत्पाद की वास्तविक सी आई एफ आयात कीमत को यू. एस. ए. में निर्यातक के लिए सी आई एफ निर्यात कीमत के रूप में अपनाया है।

20. प्रमुख आयातक ने दावा किया कि यू.एस.ए. से बिस्फेनोल-ए की आयात कीमत जाँच अवधि के दौरान पहले से कम होने का कारण यह था कि जंबो बैग पैकिंग में ऑफस्पेक पदार्थ का आयात बल्क मात्रा में किया गया था। आयातक ने एक एजेंसी से प्राप्त एक पत्र संलग्न किया है जिसमें बतलाया गया है कि उनके प्रिंसीपल ने 1994 के दौरान घटिया गुणवत्ता वाले पदार्थ की आपूर्ति 650 यू.एस. डालर प्रति मी. टन पर की थी और उस समय मानक पैकिंग में सामान्य गुणवत्ता वाले बिस्फेनोल-ए की मानक कीमत 900 से 980 यू.एस. डालर प्रति मी. टन के बीच सी.आई. एफ. बंबई हुआ करती थी, आयातक का विचार था कि 25 कि.ग्रा. के पैकों की सामान्य कीमत की तुलना 1000 कि.ग्रा. के पैक वाले घटिया स्तर के पदार्थ की आयात कीमत से करना वांछित नहीं है।

21. आयातक ने खराब गुणवत्ता के अपने दावे के संबंध में साबित करने वाले प्रमाण अपनी प्रयोगशाला रिपोर्ट और पदार्थ के विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के रूप में दिए हैं जिससे पता चलता है कि पदार्थ का एफा (जिससे रंग का और इस प्रकार बिस्फेनोल-ए की गुणवत्ता का निर्णय होता है) बहुत कँचा था। यू. एस. ए. के निर्यातक और उनके भारतीय एजेंट ने भी जाँच अवधि के दौरान भारत को ऑफस्पेक उत्पाद का निर्यात करने की पुष्टि की। आयातक ने करीब 1000 कि. ग्रा. के जंबो बैग में बल्क मात्रा में पदार्थ के आयात करने के अपने दावे के समर्थन में भी दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत किए।

22. अन्य किसी भी आयातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है और इस बात की जानकारी नहीं है कि उनके द्वारा आयात की गई सामग्री भी ऑफस्पेक थी या नहीं।

23. घरेलू उद्योग के परिसर में स्थान पर जाँच के दौरान इस पहलू की विस्तृत रूप से जाँच की गई और यह पाया गया कि घरेलू उद्योग के लिए बिस्फेनोल-ए की बिक्री कीमतों में भी बिक्री की मात्रा तथा/या रंग के आधार पर बहुत ज्यादा अंतर है।

24. इन परिस्थितियों में निर्यातकों के असहयोग के बावजूद यह उचित समझा गया कि प्रमुख आयातक द्वारा बल्क बिक्री, घटिया गुणवत्ता और जंबो पैकिंग आकार के लिए दावा किए गए समायोजन की अनुमति दे दी जाए। चूँकि प्रमुख आयातक ने अन्य आयातकों द्वारा यू. एस. ए. से अल्प मात्राओं में आयातित अच्छी गुणवत्ता वाली बिस्फेनोल-ए की सी आई एफ कीमत प्रस्तुत की, इसलिए यह उचित होगा कि प्रारम्भिक निष्कर्षों के उद्देश्यों से, ऊपर दावा किए गए कारकों की वजह से समायोजन के लिए, उसे आधार माना जाए।

2627-41/96-2

25. उपर्युक्त तथ्यों को देखते हुए प्राधिकारी ने बिस्फेनोल-ए की समायोजित सी आई एफ कीमत निकालने के लिए सी आई एफ निर्यात कीमत का समायोजन उस राशि के बराबर किया है, जो कि जाँच अवधि के दौरान अन्य आयातकों द्वारा यू. एस. ए. से कम मात्राओं में आयातित अच्छी गुणवत्ता वाले बिस्फेनोल-ए की आयात कीमत और मुख्य आयातक द्वारा जंबो बैगों में आयात की गई घटिया गुणवत्ता वाली वास्तविक सी आई एफ आयात कीमत के बीच अंतर है।

26. न्यायोचित तुलना के लिए कार्यों पर निर्यात कीमत निकालने हेतु सी आई एफ निर्यात कीमत का उचित रूप से समायोजन करना होगा। चूँकि किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया, इसलिए एफ ओ बी निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्य के आधार पर सी आई एफ निर्यात कीमत के हिसाब से करना होगा। अपने उत्तर में एक आयातक ने इंगित किया कि यू.एस.ए. में एफ ओ बी मूल्य निकालने के लिए भाड़ा बीमा और अन्य शुल्क के रूप में 171.50 यू.एस. डॉ. प्रति मीट्रिक टन की राशि का समायोजन, जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा सुझाया गया, वह सही नहीं है। इसने आगे इंगित किया कि इस व्यावहारिक अनुभव के अनुसार यह 105 यू.एस. डालर से 110 यू.एस. डालर प्रति मी. टन के बीच है। यद्यपि आयातक द्वारा उक्त दावे के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध नहीं कराए गए, फिर भी प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच-परिणामों के लिए एफ ओ बी निर्यात कीमत का अनुमान लगाने हेतु आयातक द्वारा दावा की गई मात्रा तक समुद्री भाड़ा बीमा इत्यादि के रूप में समायोजन किया। इस संबंध में कोई और सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई इसलिए अनुमानित एफ ओ बी निर्यात कीमत को कारखानागत निर्यात कीमत माना गया।

ण. तुलना

27. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निर्यातकों से निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से सीधे उत्तर के अभाव में घरेलू उद्योग तथा आयातक द्वारा दी गई सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना को ध्यान में रखा। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की तुलना ज्ञात निर्यातक के लिए आँकी गई औसत निर्यात कीमत के साथ दोनों की तुलना कारखानागत स्तर पर की और निम्नांकित डम्पिंग मार्जिन का हिसाब लगाया है :

निर्यातक का नाम :

डम्पिंग मार्जिन

(यू. एस. डालर प्रति मी. टन)

1253

मिस्सुई एण्ड कं. (यू. एस. ए.) इन्क.

28. प्राधिकारी इस बात को स्वीकार करते हैं कि पाटन का निर्धारण करने के लिए जाँच अवधि के दौरान के ही सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत प्रासंगिक हैं और इस उद्देश्य के लिए भारत या तीसरे देशों से निर्यात कीमत और भारत को किए गए निर्यात की वर्तमान कीमत या भारत में प्रचलित कीमतें या अंतर्राष्ट्रीय कीमतें प्रासंगिक नहीं हैं।

ट. क्षति

29. ऊपर के नियम 11, अनुबंध-II के अंतर्गत जब जाँच-परिणाम में किसी क्षति का पता चलता है तब ऐसे जाँच-परिणाम में घरेलू उद्योग को

हुई क्षति का निर्धारण करते समय "सभी सम्बद्ध तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा, जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में ऐसी ही वस्तुओं की कीमतों पर प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव शामिल है।" कीमतों पर पारित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह विचार करना आवश्यक है कि क्या ऐसी ही वस्तुओं की भारत में कीमत की तुलना में पारित आयातों से कीमत में महत्वपूर्ण रूप से कमी करनी पड़ी थी या क्या अन्य प्रकार से ऐसे आयातों के प्रभाव से एक महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों में कमी आई या कीमतों में वृद्धि रुक गई, जिनमें अन्यथा महत्वपूर्ण हद तक वृद्धि हुई होती।

30. भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जाँच करने के लिए प्राधिकारी ने उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले अन्य मुद्दों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय इत्यादि पर भी विचार किया।

क. पाटित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा:

31. यू. एस. ए. से बिस्केनोल-ए के आयातों में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, 1993-94 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान तीन गुणा से ज्यादा वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप सकल रूप में आयात की मात्रा में तीव्र वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त यू. एस. ए. से पारित आयातों डी. जी. सी. आई. एस. द्वारा इस उत्पाद तथा इसके लवण के कुल आयात की बतलाई गई मात्रा के संदर्भ में यू. एस. ए. से डम्प किए गए आयात की मात्रा उपर्युक्त नियम 14 में निर्धारित सीमा से ज्यादा है।

32. समग्र रूप में आयातों में तीव्र वृद्धि के परिणामस्वरूप देश में उत्पाद की कुल मांग में यू. एस. ए. से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई।

ख. यू.एस.ए. से निर्यात कीमत:

33. यू.एस.ए. से उत्पाद की सी आई एफ निर्यात कीमत में की जाँच अवधि के दौरान 1993-94 की तुलना में करीब 13 प्रतिशत और 1992-93 की तुलना में करीब 24% की गिरावट आई।

ग. उत्पादन और क्षमता उपयोग:

34. जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में पिछले वर्ष के यथानुपात उत्पादन की तुलना में करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई (यद्यपि जापान से पाटन किए जाने के कारण वह वर्ष सामान्य नहीं था), जिसके परिणामस्वरूप संगत अवधि में बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग हुआ। तथापि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग काफी मात्रा में बिस्केनोल-ए का निर्यात करता आ रहा है और ठेके के आधार पर भी इसका उत्पादन कर रहा है। बिस्केनोल-ए के उत्पादन में निरन्तर प्रक्रिया प्रौद्योगिकी की जरूरत होती है और इस प्रकार जापान, रूस, ब्राजील और यू.एस.ए. द्वारा पाटन के बावजूद घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और क्षमता उपयोग में लगातार वृद्धि कर सका है।

घ. समग्र रूप में बिक्री:

35. अक्टूबर, 92 में उत्पादन के वाणिज्यिकरण के समय से घरेलू उद्योग इसकी बिक्री में लगातार वृद्धि करने में समर्थ रहा है और उसमें 1993-94 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 67 प्रतिशत से ज्यादा की औसत वृद्धि हुई। तथापि, ऐसा लगता है कि बिक्री की मात्रा में उपर्युक्त वृद्धि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में गिरावट का सीधा परिणाम है।

इ. औसत बिक्री वसूली:

36. वर्ष 1993-94 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग से इकाई बिक्री वसूली में करीब 15% और 1992-93 की तुलना में 35% से ज्यादा की गिरावट आई। प्राधिकारी ने यह देखा कि जाँच अवधि के दौरान औसत बिक्री वसूली उत्पादन की इष्टतम लागत से कम थी जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हानि हुई।

च. स्टॉक:

37. घरेलू उद्योग का बिस्केनोल-ए का स्टॉक 1052 मी. टन. (1992-93) से घटकर 824 मी. टन. (1993-94) और 803 मी. टन. (सितम्बर, 1994) हो गया। तथापि, यह नोट किया जाता है कि सामान सूची में गिरावट घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में की गई कमी, निर्यात क्रियाकलाप, ठेके पर किए जाने वाले कार्य और जापान पर प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने का परिणाम हो सकता है।

छ. कीमतों में कमी करना:

38. प्राधिकारी ने यह पाया है कि यू.एस.ए. के निर्यात और साथ ही साथ रूस और ब्राजील के निर्यातों के कारण भारतीय बाजार में बिस्केनोल-ए की कीमतों में कमी हो रही थी और यू.एस.ए., रूस और ब्राजील से पारित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को धीरे-धीरे और लगातार रूप से अपनी कीमतों में कमी करनी पड़ रही थी।

ज. कीमतों पर दबाव:

39. प्राधिकारी ने यह पाया है कि यू.एस.ए. के निर्यातक द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में अपने निर्यात में कमी किए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमतों पर दबाव की स्थिति रही जिसकी वजह से घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुसार अपनी कीमतों का समायोजन नहीं कर सका।

झ. लाभ/हानि:

40. जाँच अवधि सहित शुरू से ही घरेलू उद्योग को हानि होती आ रही है और इसका कारण यह है कि उत्पादन लागत की तुलना में बिक्री कीमतें बहुत कम हैं।

क्षति से संबंधित निष्कर्ष:

41. प्राधिकारी ने निष्कर्ष लिया है कि सभी सम्बद्ध कारक, संख्यी और सामूहिक रूप से यह सिद्ध करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति हुई है।

कारण संबंधी सम्पर्क

42. क्या डम्प किए गए आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई यह निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने निम्नांकित तथ्यों पर ध्यान दिया:

(1) अमरीका से उत्पादों के आयातों में समग्र रूप से तथा भारत में इस उत्पाद के उत्पादन और खपत के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। कुल आयातों के अमरीका के हिस्से में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। इसके सीधे परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण रूप से क्षति हुई है।

(2) डम्प कीमतों पर रूस और ब्राजील के आयातों के साथ-साथ अमरीका से बिस्केनोल-ए के वास्तविक आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को अलाभप्रद स्तर पर कम करने को मजबूर किया जिसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय बाजार को कम करने की स्थिति में आना पड़ा।

(3) रूस तथा ब्राजील के आयातों के साथ-साथ अमरीका से होने वाले आयातों ने भारतीय बाजार में उत्पाद के मूल्यों को इस स्तर तक कम कर दिया कि घरेलू उद्योग को उत्पादन की अपनी पूरी कीमत प्राप्त करने तथा भारत में बिस्फेनोल-ए की बिक्री से यथोचित मुनाफा कमाने से वंचित होना पड़ा।

43. इस प्रकार, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति रूस और ब्राजील के डम्प आयातों के साथ-साथ अमरीका से होने वाले डम्प आयातों के कारण हुई है।

भारतीय उद्योग के हित:

44. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतौर पर यह है कि ऐसे पाटन को समाप्त किया जाए जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जाए जो कि देश के सामान्य हित में हो।

45. प्राधिकारी ने माना कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से बिस्फेनोल-ए के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं हो जाएगी। विशेषकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क की लेवी नुकसान को कम करने की आवश्यक राशि तक ही सीमित कर दी जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने का उद्देश्य डम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करना है जिससे कि भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जा सके और इस प्रकार बिस्फेनोल-ए के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे। प्राधिकारी ने नोट किया कि पाटनरोधी उपायों से अमरीका से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत बनाए रख सकता है।

46. प्राधिकारी इस बात का अनुमोदन करता है कि इसने क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके तथा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हद तक घरेलू उद्योग के लिए भारत में बिस्फेनोल-ए का उचित बिक्री मूल्य तैयार किया है। घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय डाटा के आधार पर उपलब्ध बिक्री कीमत इन निष्कर्षों में प्रकट नहीं की गई है।

47. घरेलू उद्योग को डम्प आयातों के कारण हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक प्रतिपाटन शुल्क की राशि की अनुशंसा करते वक्त प्राधिकारी ने पाटन के अतिरिक्त अन्य कारकों पर विचार नहीं किया जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

48. सीमाशुल्क में कमी स्वयं पाटन पर कोई प्रभाव नहीं डालती है। जहां तक क्षति का संबंध है, प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान प्रचलित सीमाशुल्क पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जाने वाली क्षति के स्तर का हिसाब लगाया है।

49. प्राधिकारी ने नोट किया कि भारत में बिस्फेनोल-ए की मांग देश के भीतर उपलब्ध क्षमता से कम है। तथापि, प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर विचार करते हुए उचित बिक्री मूल्य का पता लगाया, और इसलिए, मांग की तुलना में और बड़ी क्षमता के कारण और ज्यादा कपरी खर्च की घटना समाप्त कर दी गई है।

निष्कर्ष :

50. उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि:

- (1) अमरीका मूल के या वहां से होने वाले बिस्फेनोल-ए का निर्यात भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- (2) भारतीय उद्योग को वास्तविक नुकसान उठाना पड़ा है।
- (3) यह क्षति समग्र रूप से रूस और ब्राजील सहित अमरीका से होने वाले आयातों के कारण हुई है।

51. जबकि प्राधिकारी ने पहले ही रूस और ब्राजील मूल के या वहां से होने वाले आयातों पर दिनांक 20 नवम्बर, 1995 की अधिसूचना सं. 9/11/94/ एडीडी द्वारा प्रतिपाटन शुल्क लगाने की सिफारिश पहले ही कर दी है। प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक अमरीका से होने वाले बिस्फेनोल-ए के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए, ताकि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से बचाया जा सके।

52. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा किए गए सभी निर्यातों की भारत औसत उतराई कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योगों की उचित बिक्री कीमत से की गई जो कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई थी। जहां यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहां डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि नीचे बताए गए अनुसार अनन्तिम प्रतिपाटन शुल्क इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से अमरीका के उद्गम वाले सीमाशुल्क कोड 2907.23.00 के अन्तर्गत बिसफिलोल-ए के सभी आयातों पर अन्तिम निपटारा होने तक लगाया जाए।

निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि (रु. प्रति मीट्रिक टन)
मिचुई एंड कं. (यू.एस.ए.) इन्क.,	10000
निर्यातक, उपर्युक्त के अतिरिक्त	10000

53. ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों, आयातकों, घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पार्टियों को जो अपने विचारों से अवगत कराना चाहते हैं, प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इस अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्राधिकारी को अपने विचारों से अवगत करा सकती है।

दीपक चटर्जी
निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th October, 1996

No. 15/5/95-ADD

PRELIMINARY FINDINGS

SUBJECT: Anti-dumping investigation concerning imports of Bisphenol—A originating in or exported from the United States of America—preliminary findings.

No. 15/5/-96.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed :

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Kesar Petroproducts Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Bisphenol-A originating from Russia and Brazil;
- (ii) The Authority during the course of investigation of allegations of dumping of Bisphenol-A against Russia and Brazil noticed that the exports of Bisphenol-A from USA *prima facie* also appeared to have been made at a price lower than the domestic price in USA, necessitating further investigation in the matter.
- (iii) The Authority notified the Embassy of USA before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 *supra*;
- (iv) The Authority issued a Public Notice dated 20th November, 1995 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating suo motu anti-dumping proceedings concerning import of Bisphenol-A originating in or exported from USA classified under heading 2907.23 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 2907.23.00 under Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System);
- (v) The Authority forwarded a copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to M/s. Kesar Petroproducts Ltd., Mumbai and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request for an oral hearing;
- (vi) According to sub-rule (3) of Rules 6 *supra*, the Authority provided a copy of the information relied upon by the Authority for initiating the investigations to all the known exporters and Embassy of USA;

- (vii) The Embassy of USA in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time;
- (viii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the known exporters, M/s. Mitsui & Co. (USA) Inc., USA;
- (ix) M/s. Kesar Petroproducts Ltd., Mumbai, the domestic industry, was also requested to furnish details considered relevant for the investigation;
- (x) The questionnaire was sent to the following importers of Bisphenol-A in India :
M/s.
 - (a) Dr. EECK & Co. Ltd., Pune
 - (b) Parikh Resins & Polymer, Kanpur
 - (c) Uttamlal & Co., Mumbai
 - (d) Chimanlal Manganlal & Co., Mumbai
 - (e) Beta International, Mumbai
 - (f) Bharat Genl. Textile Industries, Calcutta
 - (g) Cibatul Ltd., Gujarat
 - (h) Parikh Chemical Industries, Kanpur
 - (i) Bengal Poly Resins Pvt. Ltd., Calcutta
 - (j) Speciality Chemicals, Mumbai
 - (k) Delta Industries Resins Pvt. Ltd., Mumbai
 - (l) Pragati Chemical Ltd., Mumbai
 - (m) M.J. Exports Pvt. Ltd., Mumbai.
- (xi) DGCI&S, Calcutta, was requested to furnish details of all the imports of Bisphenol 'A' into India from April 1993 to March 1995.
- (xii) ASSOCHAM, CII and FICCI, the trade associations were also informed about the said initiation.
- (xiii) A Public File was made available by the Authority for inspection by any of the interested party.
- (xiv) The Indian Embassy in USA was requested to indicate names and addresses of the producers/exporters of Bisphenol 'A' in USA, prices of Bisphenol 'A' in the domestic market in USA and the address of the Deptt. of Govt. of USA who is dealing with the exports of Bisphenol-A in USA. The Embassy of India in USA furnished such details and distributors pricing for one of the producer/exporter. The price list was, however, effective from 6-1-1995 (i.e. post investigation period).
- (xv) The Embassy of USA at New Delhi was also requested vide letter dated 14-12-1995 to furnish the following information :—
 - (a) Name(s) and addresses of the exporters and producers of Bisphenol 'A' in USA;
 - (b) Name(s) and addresses of the concerned Gov-

ernment department in USA who are dealing with exports of goods in USA.

No information, however, was received in this regard from the Embassy;

- (xvi) Names and addresses of the exporters/producers obtained from the Indian Embassy in USA vide letter dated 12-1-1996 were furnished to the Embassy of USA at New Delhi with a request to furnish detailed information regarding exports of Bisphenol 'A' made by these producers/exporters.
- (xvii) The Embassy of USA at New Delhi informed the Authority to communicate with the private US firms to solicit their cooperation vide letter dated 16-1-1996.
- (xviii) The Embassy of USA at New Delhi sought extension of time vide their letter dated 23-1-1996 and enclosed a letter from the United States Deptt. of Commerce. This was agreed to by the Authority, and the last date was extended to 15-2-1996.
- (xix) None of the exporters filed response to the questionnaire. Only one of the importers, viz. M/s Cibatul Ltd. filed response to the questionnaire, in the form and manner prescribed.
- (xx) A Public Hearing was held by the Authority on 12th March, 1996 in order to provide further opportunity to importers, exporters, domestic industries, and Embassy of USA to defend their interest. The hearing was attended by the following :
M/s.
(a) Kesar Petroproducts Ltd., Mumbai,
(b) Cibatul Ltd., Valsad,
(c) Pragati Chemicals Ltd., Mumbai,
(d) Delta Industrial Resins Pvt. Ltd., Mumbai,
(e) SIP Industries Ltd., Mumbai;
- (xxi) All the parties who attended the said public hearing were advised to present their submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party(ies) to the investigation and the written submissions received from the party(ies) were made available to the other party(ies) for their counter comments;
- (xxii) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of the domestic industry's head office and works.
- (xxiii) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum Cost of production and cost to make and sell Bisphenol-A in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles and rule 6(8) of the Rules supra so as to ascertain as to whether anti dumping duty lower than the dumping margin would be adequate to remove the injury.

- (xxiv) The investigation covered the period from 1st April, 1994 to 30th Sept., 1994.

B. DOMESTIC INDUSTRY'S VIEWS

3. The domestic industry made the following major points:
 - (a) The investigation would be governed by the provisions brought into effect from 1-1-1995;
 - (b) Once imports from Japan came down due to imposition of anti dumping duty, countries such as Russia, Brazil and USA started exporting Bisphenol-A at dumped prices to India;
 - (c) The Authority may rely on the data already on record and the conclusions derived therefrom from the investigations in regard to Brazil and Russia;
 - (d) Since there has been no response from the exporter on the issue of Normal Value, the facts brought out in the initiation notification, being unrebutted, may be adopted in determining anti dumping duty;
 - (e) Exports from USA have continuously been increasing and the same is significant both in absolute and relative terms;
 - (f) The average sale realisation for the domestic industry was very low and unremunerative, resulting in losses;
 - (g) The excess of fair selling price over the landed cost of imports from USA amounting to Rs. 31362 per MT may be imposed as anti-dumping duty to enable domestic industry to earn a reasonable return.

C. EXPORTERS'/PRODUCERS' VIEWS

4. None of the exporters/producers have directly responded to the Authority in the form and manner prescribed. One of the exporter, M/s. Mitsui & Co. (U.S.A.), Inc., declining the invitation to appear at the hearing scheduled for March 12, 1996 intimated that they have made only two insignificant shipments of off-spec product in 1992 and 1994 and that they did not believe it prudent to devote resources to the investigation. M/s. Ashland Chemical Company responded that they have had no sales of the product Bisphenol-A to India during investigation period. Some of the importers have enclosed a copy of the letter from M/s. First Intercontinental Corporation, USA, who are said to be exporting Bisphenol-A to India. The exporter has stated that it shall not export Bisphenol-A directly or through an authorised agent below the prevailing export price in USA, depending upon quantity contracted for standard quality material.

D. IMPORTER'S VIEWS

5. The major views expressed by the importers in the public hearing and reproduced in writing are as follows :
 - (a) Since it has been mentioned in the Initiation Notification that imports of Bisphenol-A from USA alongwith imports from Brazil and Russia are caus-

ing injury to the Indian domestic industry and Anti Dumping Duty has already been imposed in respect of imports from Russia and Brazil, it cannot be said that imports of Russia and Brazil are causing injury any more. Under the circumstances, the imports from USA cannot be said to be causing any injury to the domestic industry.

- (b) Imports from USA during the period of investigation were only to the tune of 300 MT.
- (c) Import price of Bisphenol-A from USA was lower during the period on account of import of bulk quantities of off-spec material in jumbo bag packings. Enclosing a letter from an agency indicating that their principal had supplied inferior quality material at USD 650 per MT during 1994 and that the standard price of normal quality Bisphenol-A that time used to remain in the range of USD 900 to 980 pmt cif Bombay in standard packing, an importer viewed that it is not desirable to compare normal price with import price for sub standard material in packing of 1000 kgs. against normal packing of 25 kg packs.
- (d) The imports during the period April 93 to March 95 attracted prices of USD 770 to 1067 pmt cif Bombay and was USD 770 pmt during the period of investigation.
- (e) Price adjustments on account of differential in quality, quantum of imports and packing in bulk quantities to the tune of USD 417 pmt being the difference of the highest import price during July 93 by another importer of the material and actual price of offspec grade imports during the period of investigation be made.
- (f) An amount of USD 105 to USD 110 pmt may be considered as adjustment towards freight, insurance and other charges for working out fob price in USA according to their practical experience.
- (g) The Normal value indicated in the Initiation Notification was for the period of April 94 to May 94. Apart from the fact that the price is only for a period, price of Bisphenol-A in USA at no point of time ruled as high as USD 3600 per MT.
- (h) M/s. Kesar Petroproducts Ltd. have stated, in a letter to the Authority, that their prices to local customers during April 93 to April 94 were USD 1875 per MT. Had the normal value of Bisphenol-A in USA been as high as USD 3600 per MT., the domestic industry could have made excellent profits by exporting to USA.
- (i) The price mentioned in the Chemical Market Reporter is a retail price for small quantities of one or half kg. One of the importer has imported 300 mt in one single deal during the period.
- (j) Profitability of the domestic industry is improving

and domestic industry is shortly increasing its capacity to 10,000-12,000 MT.

E. EXAMINATION AND FINDINGS BY AUTHORITY

6. The submissions made by the exporters, importers, domestic industry and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.
7. The Authority confirms, in the absence of any direct response from the exporters in the form and manner prescribed, having made the findings on the basis of the fact available to it as per rule 6(8) supra.
8. The cases of new exporters or those stated to be willing to give price undertaking shall be considered, on request, by the Authority in accordance with the Rules supra.

F. LIKE ARTICLES

9. The product under consideration is Bisphenol A. Bisphenol 'A' is an organic chemical and is manufactured out of Phenol and Acetone. There are two grades namely Epoxy grade and Polycarbonate grade. It is, however, noted that chemical names, molecular formula and other properties such as molecular weight, boiling point, melting point, specific gravity, specific heat etc. are similar for the two grades. Major uses for the two grades are also similar except that Polycarbonate grade can also be used for Polycarbonate resins. In view of the above and after examining the various aspects with regard to like product, it is considered that both these grades are covered under the scope of these investigations and Bisphenol 'A' produced in India and imported from USA are like articles within the meaning of the rules.
10. Bisphenol-A is classified under Customs Tariff code No. 2907.23.00 and falls under Open General Licence (OGL) category. The classification is, however, mentioned for the sake of convenience and is not binding on the present investigation.

G. DOMESTIC INDUSTRY

11. Bisphenol-A is produced in India by (a) M/s. Kesar Petro Products Ltd., 7, Nagin Mahal, 2nd Floor, Veer Nariman Road, Churchgate, Mumbai-110020 and (b) M/s. Cibatul Ltd., P.O. Atul-396020, Dist. Valsad, Gujarat. It is, however, noted that M/s. Cibatul is an importer of the product and, therefore, can't be considered as a constituent of the domestic industry under the Anti-dumping rules supra. It is, therefore, considered that M/s. Kesar Petroproducts Ltd. constitutes the domestic industry and has been referred to as domestic industry in these findings.

H. NORMAL VALUE

12. The Normal Value of Bisphenol-A in USA was considered at the time of initiation on the basis of prices published in a Magazine i.e. Chemical Marketing Reporter. The domestic industry had earlier during the course of investigation

relating to Russia and Brazil provided photocopies of relevant pages of Chemical Marketing Reporter issues from 28-12-1992 till 30.5.1994 and the Normal Value was considered on the basis of prices published between April 1994 to May 1994 and notified in the initiation notification.

13. During the course of on the spot investigation at the premises of domestic industry, the relevant information from 11-7-1994 till 11-12-95 was also collected. It is observed that the domestic prices reported by the magazine during 1994 remains almost at the same level except during a short period of March to May 94, when steep increase of over 80% in prices of the product has been reported.

14. None of the exporters from USA, though some of them acknowledged having known the investigation, furnished any information regarding normal value of the product inspite of providing them adequate opportunity.

15. The Indian Embassy in USA furnished prices of Bisphenol-A in the domestic market in USA on the basis of distributors pricing for one of the producers in USA. Though it is found that the price list is effective from 6-1-95, i.e., the post investigation period, yet it leads to the conclusion that the increase in the prices shown in the Magazine for a short period from March, 94 is not justified.

16. Some of the importers argued that the prices mentioned in the Chemical Market Reporter was a retail price of small quantities of one or half kg. None of the importers could, however, substantiate their claim inspite of adequate opportunity provided to them. Similarly, none of the exporters from USA either provided any information on normal value of the product in USA or claimed any adjustments for working out ex-works normal value disclosed in the initiation notification.

17. The Authority considered all these factors and found that it would be appropriate to consider, for the purpose of these preliminary findings, normal value on the basis of the information available on record. Accordingly, ex-works normal value has been worked out on the basis of normal domestic prices, ignoring abnormal changes, reflected in the Magazine during the period of investigation.

I. EXPORT PRICE

18. None of the exporters furnished information on export price nor cooperated with the Authority inspite of the fact that one of the exporters admitted to have exported offspec material during the period of investigation to India. One of the importers furnished details of imports of the product, but the same cannot be described as complete. The export price has to be, therefore, worked out in accordance with the best available information.

19. The importer who have furnished the details of their imports as per the questionnaire prescribed by the Authority, imported more than 95% of the total known imports during April, 1993 to September, 1994. (The importer is being referred to as major importer hereinafter). None of the other importers has furnished the details of the imports made by

them. Recognising that imports made by the major importer reflects the prices at which Bisphenol-A has been exported to India, the Authority adopts the actual cif import price of the product during period of investigation of the major importer as the cif export price for the exporters in USA.

20. The major importer claimed that import price of Bisphenol-A from USA was lower during the period of investigation on account of import of bulk quantities of offspec material in jumbo bag packings. Enclosing a letter from an agency indicating that their principal had supplied inferior quality material at USD 650 per MT during 1994 and that the standard price of normal quality Bisphenol-A that time used to remain in the range of USD 900 to 980 pmt cif Bombay in standard packing, the importer viewed that it is not desirable to compare normal price with import price for sub-standard material in packing of 1000 kgs against normal packing of 25 kg packs.

21. The importer has furnished supporting evidence with regard to its contention of poor quality in the form of its laboratory report and analytical report of the material which indicates that the Apha of the material (which decides the color and hence quality of the Bisphenol-A) was very high. The exporter from USA and their Indian agent also supported the fact of having exported offspec product to India during period of investigation. The importer has also submitted documentary evidence in support of their claim of having imported the material in bulk quantity in jumbo bags of around 1000 kg approx.

22. None of the other importers have cooperated with the Authority and it is not known whether the material imported by them was also Off-specs.

23. During the course of spot verification at the premises of domestic industry this aspect was investigated in detail and it was found that the selling prices of Bisphenol-A for the domestic industry also greatly varies depending upon quantum of sales and/or Color.

24. Under the circumstances, in spite of non-cooperation from the exporters, it is considered appropriate to allow adjustments claimed by the major importer on account of bulk sales, sub-standard quality and Jumbo packing size. Since the major importer furnished the cif price of good quality Bisphenol-A in small quantities imported from USA by other importers, it is appropriate to consider the same as a base, for the purpose of preliminary findings, for adjustments on account of the above claimed factors.

25. The Authority, in view of the above facts, therefore, has adjusted the cif export price of Bisphenol-A by an amount equivalent to the difference between the import price of good quality Bisphenol-A imported in small quantities by the other importers from USA during the period of investigation and the actual cif import price of the sub-standard quality of bulk purchase in jumbo bags imported by the major importer to arrive at the adjusted cif export price.

26. For fair comparison, cif export price is to be appropri-

ately adjusted to work out ex-works export price. Since none of the exporter has cooperated with the Authority, fob export price is to be derived from cif export price on the basis of fact available with the Authority. One of the importers, in its reply, indicated that adjustment of an amount of USD 171.50 per metric tonne, as suggested by the domestic industry, towards freight insurance and other charges for working out fob price in USA is not correct. It further indicated that according to their practical experience, it is in the region of USD 105 to USD 110 pmt. Though documentary evidence in support of the said claim has not been made available by the importer, the Authority, for the preliminary findings, made the adjustment towards ocean freight, insurance etc. to the extent claimed by the importer to estimate the fob export price. The fob export price estimated is considered as ex-works export price in the absence of any further information made available in this regard.

J. COMPARISON

27. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the domestic industry, importer and the best information available with the Authority in the absence of any direct response in the prescribed form and manner from the exporters. The Authority has compared normal value with weighted average export price, both at ex-works level, for the known exporter and has arrived at following dumping margins :

Name of the exporter	Dumping Margin (US\$ per MT)
Mitsui & Co. (USA) Inc.	1253

28. The Authority recognises that the normal value and export price during the investigation period only are relevant for deciding dumping, and the export price from India or third countries and that the current export price to India or prices prevailing in India or international prices are not relevant for the purpose.

K. INJURY

29. Under Rule 11 supra, annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

30. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, capacity utilization, sales, stock, profitability, net sales realisation, etc.

a. Volume and Market Share of Dumped Imports:

31. Imports of Bisphenol-A from USA, prorata increased to more than three fold during the period of investigation compared to 1993-94 as per the facts available, resulting in sharp increase in the volume of imports in absolute terms. Further, the volume of dumped imports from USA in relation of the total imports reported by DGCIS of the product and its salt exceeds the limit prescribed in rule 14 of the Rules supra.

32. The sharp increase in imports in absolute terms consequently resulted in increased market share of the imports from USA in the total demand of the product in the Country.

b. Export prices from USA:

33. The CIF Export Price of the product from USA declined by about 13 percent during the period of investigation as compared to 1993-94 and by about 24% as compared to 1992-93.

c. Production and Capacity Utilization:

34. Production of the domestic industry increased about 25 percent during the period of investigation as compared to prorata production in previous year (though that year was not normal due to dumping by Japan), resulting in increased capacity utilization during the corresponding period. It is, however, noted that the domestic industry has been exporting Bisphenol-A in substantial quantities and also producing the same on job work basis. Manufacturing of Bisphenol-A involves continuous process technology and, therefore, domestic industry has been able to continuously improve its production and capacity utilization, in spite of dumping by Japan, Russia, Brazil and USA.

d. Sales in Absolute Terms:

35. The domestic industry has been able to increase its sales consistently since commercialization of production in October 92 and the same increased by an average of over 67 percent during the period of investigation as compared to 1993-94. It, however, appears that the said increase in sales quantum is a direct consequence of fall in the selling prices of the domestic industry.

e. Average Sales Realisation:

36. The unit sales realisation from domestic sales declined by about 15% during period of investigation as compared to 1993-94 and by more than 35% in relation to 1992-93. The authority observed that the average sales realisation during the period of investigation was lower than optimum cost of production resulting in losses to the domestic industry.

F. Stocks:

37. Stocks of Bisphenol-A with the domestic industry declined from 1052 MT (1992-93) to 824 MT (1993-94) and

803 MT (September 1994), it is, however, noted that decline in inventory would be a result of reduction in selling prices by the domestic industry, undertaking export activities, job work and imposition of anti dumping duty on Japan.

g. Price undercutting:

38. The Authority finds that the exports from USA alongwith the exports from Russia and Brazil were undercutting the prices of Bisphenol-A in the Indian market and the domestic industry was forced to reduce its prices gradually and continuously in view of dumped imports from USA, Russia and Brazil.

h. Price Suppression:

39. The Authority finds that decline in the export prices by the exporter from USA over the previous year resulted in a situation of price suppression in the Indian market, which prevented the domestic industry to adjust its prices commensurate with the increase in its cost of production.

i. Profit/loss:

40. The domestic industry has been incurring losses since inception including the period of investigation and the same is because of selling prices being far lower than cost of production.

j. Conclusion on injury:

41. The Authority is led to conclusion that all the relevant factors, cumulatively and collectively establish that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

L. CAUSAL LINK

42. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts:

(i) The imports of the product from USA increased significantly in absolute terms and relative to the production and consumption of the product in India. The share of USA in the total imports also increased significantly. As a direct consequence, the domestic industry lost its market share to a significant level.

(ii) The substantial imports of Bisphenol-A from USA alongwith imports from Russia and Brazil at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices to unremunerative level which resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.

(iii) The imports from USA alongwith the imports from Russia and Brazil suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sales of Bisphenol-A in India.

43. The Authority thus arrived to the conclusion that the material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports from USA alongwith the dumped imports from Russia and Brazil.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

44. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

45. The Authority recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using Bisphenol-A and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Bisphenol-A. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from USA in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or more sources of supply.

46. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority confirms that it has worked out reasonable selling price of Bisphenol-A in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of Capacity Utilization for the domestic industry. The selling price, being based on confidential data provided by the domestic industry, has not been disclosed in these findings.

47. Injury being caused to the domestic industry from factors other than dumping have not been considered by the Authority while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the injury to the domestic industry caused by dumped imports.

48. The reduction in custom duties in no way affect the dumping per se. In so far as the injury is concerned, the Authority has calculated the level of injury being faced by the domestic industry after considering the custom duties prevailing during the period of investigation.

49. The Authority notes that demand of Bisphenol-A in India is less than the capacities available within the country. However, the Authority has worked out reasonable selling price considering optimum level of Capacity Utilization, and therefore, the incidence of higher overheads because of larger capacity than the demand has been nullified.

N. CONCLUSIONS

50. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that :

- * Bisphenol-A originating from or in USA has been exported to India below its normal value;
- * the Indian industry has suffered material injury,

2627-11/96-3

- * the injury has been commulatively caused by the imports from USA alongwith Russia and Brazil.

51. The Authority, having already recommended imposition of anti-dumping duty on imports originating in or from Russia and Brazil vide notification No. 9/11/94/ADD dated 20th November, 1995, considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Bisphenol-A originating from USA in order to remove in toto the material injury to the domestic industry.

52. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. The weighted average landed price of the imports for the exporter, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined by the Authority for the period of investigation. The difference being less than the dumping margin, a duty lower than the dump-

ing margin is considered. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties as set out below be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Bisphenol-A falling under custom code 2907.23.00 originating from USA, pending final determination.

Name of the exporter	Amount of Duty (Rs. per MT)
Mitsui & Co. (USA) Inc.	10,000
Exporters Other than Above	10,000

53. The known exporters/producers, importers, domestic industry and other interested parties are being separately addressed by the Authority, who may make known their views to the Authority. Any other interested party may also make its views known to the Authority within forty days from the date of its publication.

[DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority.]